


1/23

पत्रावली पेशा हुई। उभयपक्षों के बीच
वहस उगायपक्षकारान वकुलाय सुनी गई। वास्ते डाफेश
दिनांक 2/2/23 को पेश हो।

मि. सुनी


2/23

पत्रावली पेश। वहस उगायपक्षकारान वकुलाय पूर्व पेशी
को पुनो जा-नुकी है। पत्रावली का प्रवलोकन किया गया।
वहस रेकॉर्ड का पन्डिशिलन किया गया। राजल रेकॉर्ड
अमावसी संवत् 2075-2078 से चल रहे हैं उक्त
विवादग्रस्त भूमि ग्राम क्षेत्रण ठे क.स. 361, 365, 397,
399, 399। में प्रार्थी व अप्रार्थीगण सहजातेदार
गठनकार हैं। अगर उक्त भूमि में विवादग्रस्त भूमि का
लेखा एकांतरण होगा तो विवाद बढ़ेगा। अप्रार्थी ल.
1,5,6 के वकील द्वारा भी वहस में वहस रेकॉर्ड व मॉडे
की यथास्थिति बनाए रखने हेतु वहस रेकॉर्ड की है। अतः प्रार्थी
प्रथम दृष्टया, सुविधा के संतुलन, अप्रार्थीगण के बिंदु
पर अपना प्रार्थी पत्र सिद्ध करने में तफल रहे हैं।
अतः प्रार्थी का प्रार्थी पत्र अंतर्गत धारा 212 राजस्थान
शासकरी अधिनियम 1955 के अंतर्गत किया जाकर प्रार्थी व
अप्रार्थीगणों को इस माशय की अंतिम अस्थाई निषेधाज्ञा
से मूल वाद के निष्पन्न तक पारद किया


सहायक सलमटप दफ
उपखण्ड अधिकारी

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर
अहमद
हुक्म
में

जाता है कि वे ग्राम खेनवडे ख.स. 361, 365, 391,
399, 399। में राजस्व रेकॉर्ड में की यथास्थिति
तार्किकता मूल वाद बनाए रखेंगे। पत्रावली केंसल
शुमार हो उस नामवर हे कम होकर का शासित मूल
पत्रावली हो।

②
निदेशक कलक्टर एवं
उपसचिव अधिकारी
निवाड बडर (जोधपुर)